RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ई- पाठशाला
12th GEOGRAPHY
मानव विकास
ONE SHOT
07 OCT 2026 || 05:00 PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास

वृद्धि और विकास

- वृद्धि और विकास दोनों समय के संदर्भ में परिवर्तन को इंगित करते हैं।
- अन्तर केवल इतना है कि वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष है। इसके चिह्न धनात्मक और ऋणात्मक हो सकते हैं।
- विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन है जो मूल्य सापेक्ष होता है। इसका अर्थ है –विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक वर्तमान

वृद्धि	विकास
→ मात्रात्मक	→ गुणात्मक
→ मूल्य निरपेक्ष	→ सापेक्ष
→ [ऋणात्मक या धनात्मक]	→ विकास के लिए वृद्धि आवश्यक है
	सकारात्मक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

किसी भी नगर की जनसंख्या – 1 लाख से 2 लाख

- विकास उस समय होता है जब गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है।
- उदाहरणत: किसी निश्चित समयावधि में यदि किसी नगर की जनसंख्या एक लाख से दो लाख हो जाती है तो हम कहते हैं नगर की वृद्धि हुई।
- फिर भी यदि आवास जैसी सुविधाएँ, मूलभूत सेवाओं की व्यवस्था तथा अन्य विशेषताएँ पहले जैसी ही रहती हैं तब इस वृद्धि के

विकास उस समय होता है
गुणात्मक में सकारात्मक परिवर्तन

वृद्धि मात्रात्मक	विकास गुणात्मक
2% 2 kg	उपयोगी
4% 4 kg	

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

किशनगढ़ – रैनवाल

2001 → 1 लाख → 2 लाख (2011) → मात्रात्मक परिवर्तन।

- आवास
- परिवहन
- चिकित्सा
- शिक्षा

→ सुविधाओं कोई परिवर्तन नहीं होना → विकास नहीं हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास की अवधारणा

- मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन डॉ. महबूब-उल-हक के द्वारा किया गया था। डॉ. हक ने मानव विकास का वर्णन एक ऐसे विकास के रूप में किया जो लोगों के विकल्पों में वृद्धि करता है और उनके जीवन में सुधार लाता है।

मानव विकास की अवधारणा
प्रतिपादन (1990)
महबूब-उल-हक (पाक. अर्थशास्त्री)
मानव के विकल्पों में वृद्धि करता।
जीवन में सुधार होता है।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इस अवधारणा में सभी प्रकार के विकास का केंद्र बिंदु मनुष्य है। ये विकल्प स्थिर नहीं हैं बल्कि परिवर्तनशील हैं। विकास का मूल उद्देश्य ऐसी दशाओं को उत्पन्न करना है जिनमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

अवधारणा के केन्द्र मे
⇓
विकास के मनुष्य

विकल्प स्थिर नही
⇓
विकासशील है

पाकिस्तानी अर्थशास्त्री

क्या आप जानते हैं

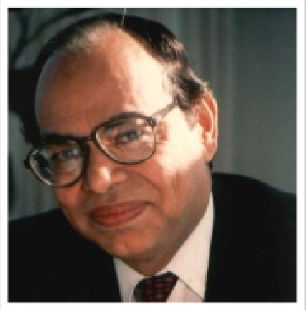

डॉ. महबूब-उल-हक

प्रो. अमर्त्य सेन

- डॉ. महबूब-उल-हक और प्रो. अमर्त्य सेन घनिष्ट मित्र थे और डॉ. हक के नेतृत्व में दोनों ने आरंभिक 'मानव विकास प्रतिवेदन' निकालने के लिए कार्य किया था।
- इन दोनों दक्षिण एशियाई अर्थशास्त्रियों ने विकास के वैकल्पिक विचार का प्रतिपादन किया।

मानव विकास प्रतिवेदन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पाकिस्तानी अर्थशास्त्री डॉ. महबूब-उल-हक ने 1990 ई. में मानव विकास सूचकांक निर्मित किया।
- उनके अनुसार विकास का संबंध लोगों के विकल्पों में बढ़ोतरी से है ताकि वे आत्मसम्मान के साथ दीर्घ और स्वस्थ जीवन जी सकें।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1990 ई. से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने वार्षिक मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित करने के लिए इनकी मानव विकास की संकल्पना का प्रयोग किया है।
- नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने विकास का मुख्य ध्येय स्वतंत्रता में वृद्धि (अथवा परतंत्रता में कमी) के रूप में देखा। रुचिकर बात यह है कि स्वतंत्रताओं में वृद्धि भी विकास लाने वाला सर्वाधिक प्रभावशाली

UNDP → 1990
मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित

1998
भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन
विकास का प्रमुख ध्येय।
स्वतन्त्रता में वृद्धि।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

सार्थक जीवन क्या है

- सार्थक जीवन केवल दीर्घ नहीं होता। जीवन का कोई उद्देश्य होना भी आवश्यक है। इसका अर्थ है कि लोग स्वस्थ हों, अपने विवेक और बुद्धि का विकास कर सकते हों, वे समाज में प्रतिभागिता करें और अपने उद्देश्यों को पूरा करने में स्वतंत्र हों।

जीवन का कोई ना कोई उद्देश्य।
लोग स्वस्थ हों।
विवेक और बुद्धि का विकास।
→ समाज में प्रतिभागिता

- दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन जीना, ज्ञान प्राप्त कर पाना तथा एक शिष्ट जीवन जीने के पर्याप्त साधनों का होना मानव विकास के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं।

दीर्घ व स्वस्थ जीवन जीना, ज्ञान प्राप्त

शिष्ट जीवन जीने के लिए पर्याप्त साधनों का होना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास के केन्द्र बिन्दु

मानव विकास के केन्द्र बिन्दु

शिक्षा स्वास्थ्य संसाधनों तक पहुँच

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लोगों के विकल्पों में वृद्धि करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच में उनकी क्षमताओं का निर्माण करना महत्त्वपूर्ण है। यदि इन क्षेत्रों में लोगों की क्षमता नहीं है तो विकल्प भी सीमित हो जाते हैं।
- उदाहरणत: एक अशिक्षित बच्चा डॉक्टर बनने का विकल्प नहीं चुन सकता क्योंकि उसका विकल्प शिक्षा के अभाव में सीमित हो गया है। इसी प्रकार प्रायः निर्धन लोग बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार नहीं चुन सकते क्योंकि संसाधनों के अभाव में उनका

अशिक्षित बच्चा
↓
डॉक्टर बनने का विकल्प है / नहीं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

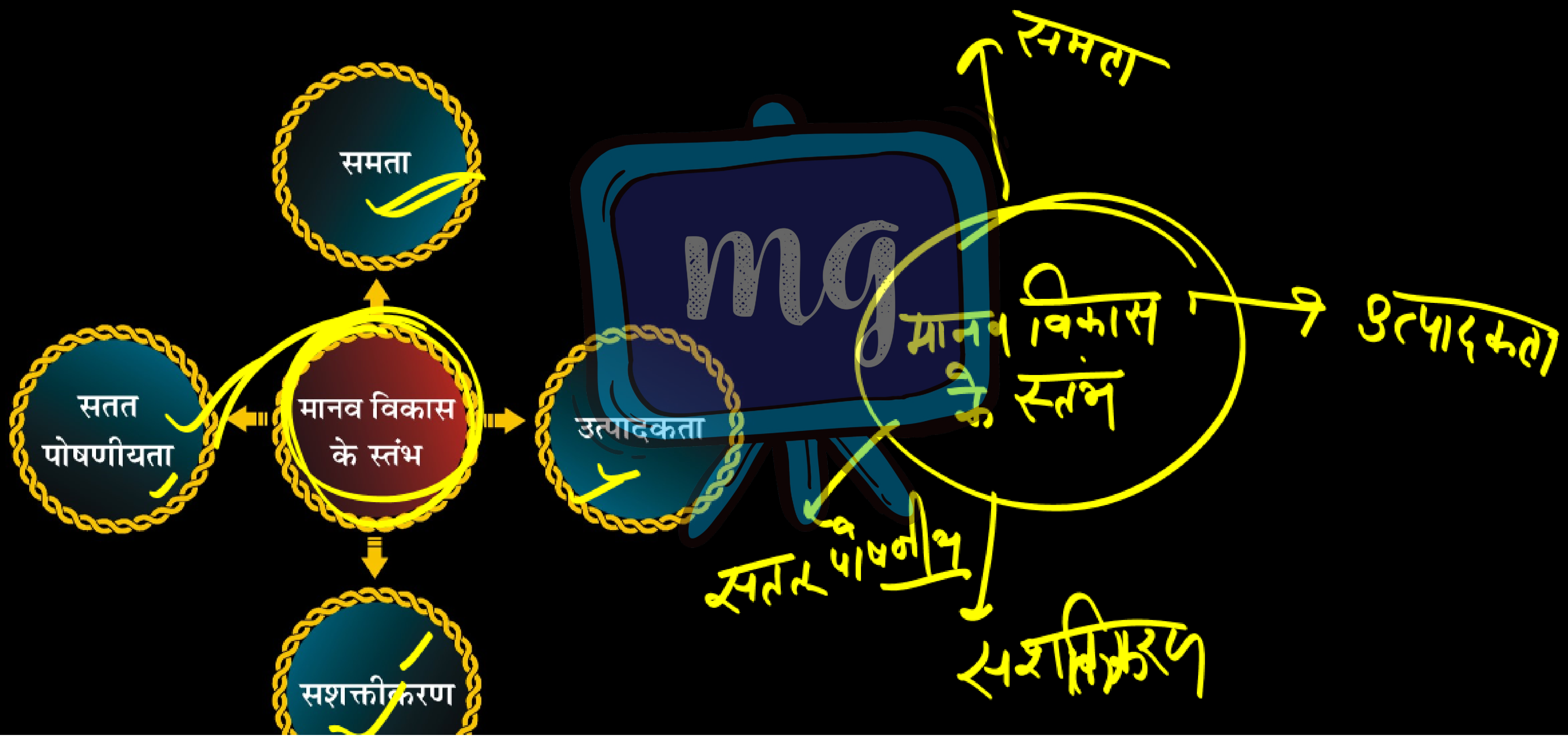

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समता

- समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच की व्यवस्था करना है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।

समता
प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध
अवसरों के लिए
समान पहुँच की व्यवस्था

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत में स्त्रियाँ और सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए वर्गों के व्यक्ति बड़ी संख्या में विद्यालय से विरत होते हैं। इससे पता चलता है कि शिक्षा तक पहुँच न होना किस प्रकार इन वर्गों के विकल्पों को सीमित करता है।

शिक्षा
स्त्रियाँ
पिछड़े वर्गों के लोग
शिक्षा का अभाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सतत पोषणीय

- सतत पोषणीय मानव विकास के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले।
- समस्त पर्यावरणीय वित्तीय एवं मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले।

मानव संसाधन का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर किया जाना

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इन संसाधनों में से किसी भी एक का दुरुपयोग भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों को कम करेगा।
- अतः प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों और विकल्पों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्पादकता

- उत्पादकता का अर्थ मानव श्रम उत्पादकता अथवा मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता है।
- लोगों में क्षमताओं का निर्माण करके ऐसी उत्पादकता में निरंतर वृद्धि की जानी चाहिए। अंततः जन-समुदाय ही राष्ट्रों के वास्तविक धन होते हैं।
- इस प्रकार उनके ज्ञान को बढ़ाने के प्रयास अथवा उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध

मानव → राष्ट्र का वास्तविक धन।

मानव श्रम उत्पादकता

मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता

जन समुदाय ही राष्ट्रों के

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सशक्तीकरण

- सशक्तीकरण का अर्थ है– अपने विकल्प चुनने के लिए शक्ति प्राप्त करना। ऐसी शक्ति बढ़ती हुई स्वतंत्रता और क्षमता से आती है। लोगों को सशक्त करने के लिए सुशासन एवं लोकोन्मुखी नीतियों की आवश्यकता होती है। सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए समूहों के सशक्तीकरण का विशेष महत्त्व है।

सशक्तीकरण
अपने विकल्पों चुनने की शक्ति प्राप्त

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आय उपागम

- यह मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इसमें मानव विकास को आय के साथ जोड़ कर देखा जाता है। विचार यह है कि आय का स्तर किसी व्यक्ति द्वारा भोगी जा रही स्वतंत्रता के स्तर को परिलक्षित करता है। आय का स्तर ऊँचा होने पर, मानव विकास का स्तर भी ऊँचा होगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

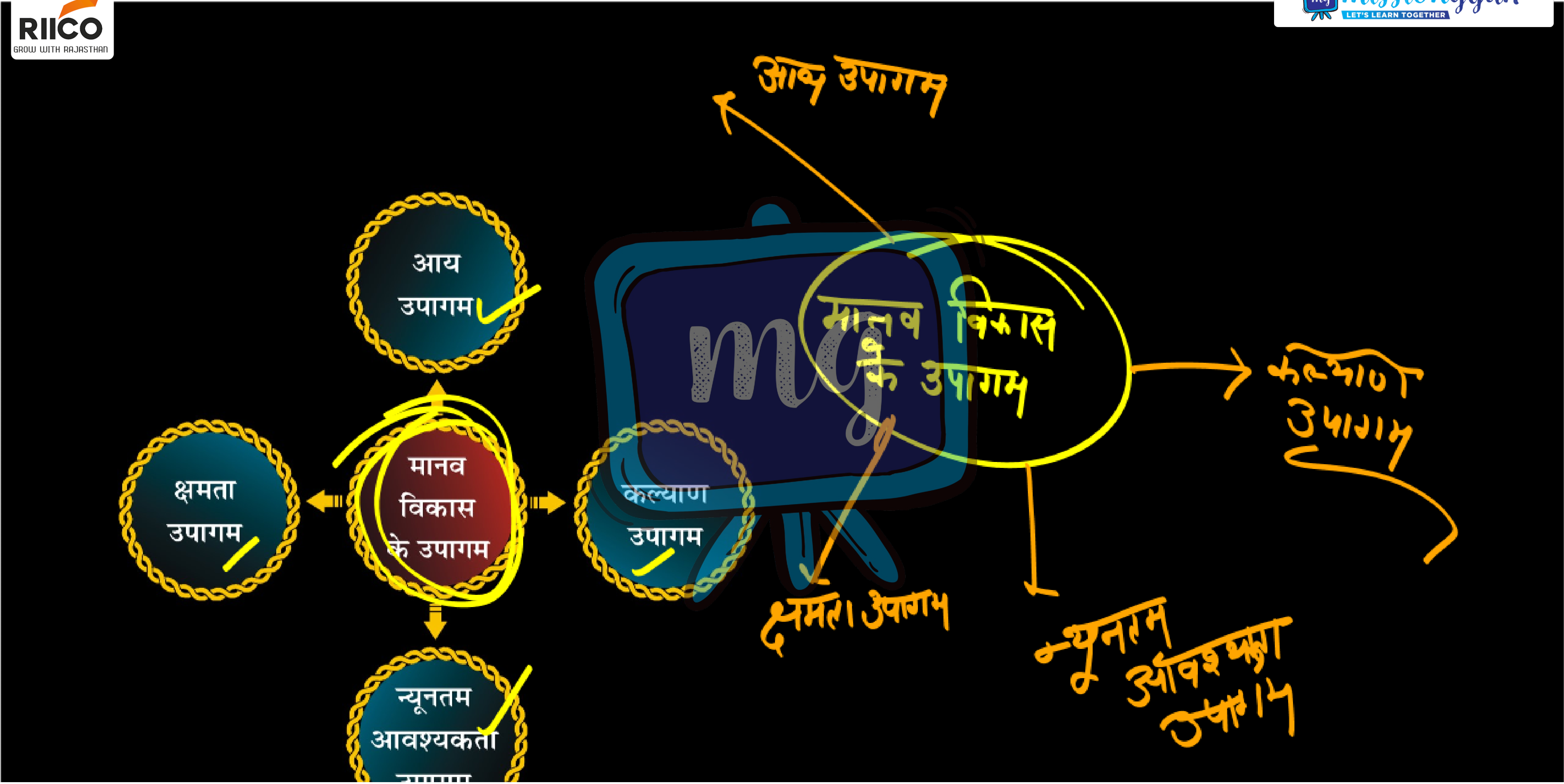

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कल्याण उपागम

- यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख-साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। लोग विकास में प्रतिभागी नहीं हैं किंतु वे केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्त्ता हैं। सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधारभूत आवश्यकता उपागम

- इस उपागम को मूल रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने प्रस्तावित किया था। इसमें छः न्यूनतम आवश्यकताओं जैसे- स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास की पहचान की गई थी। इसमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है और परिभाषित वर्गों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है।

ILO
अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
मुख्यालय - जिनेवा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्षमता उपागम

- इस उपागम का संबंध प्रो. अमर्त्य सेन से है। संसाधनों तक पहुँच के क्षेत्रों में मानव क्षमताओं का निर्माण बढ़ते मानव विकास की कुंजी है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का मापन

- मानव विकास सूचकांक और गरीबी सूचकांक यू.एन.डी.पी. द्वारा प्रयुक्त मानव विकास मापन के दो महत्त्वपूर्ण सूचकांक हैं।
- मानव विकास सूचकांक (HDI) स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर देशों का क्रम तैयार करता है।

U.N.D.P

मानव विकास सूचकांक (HDI)

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यह क्रम 0 से 1 के बीच के स्कोर पर आधारित होता है जो एक देश, मानव विकास के महत्त्वपूर्ण सूचकों में अपने रिकार्ड से प्राप्त करता है।
- स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए चुना गया सूचक जन्म के समय जीवन-प्रत्याशा है। उच्चतर जीवन-प्रत्याशा का अर्थ है कि लोगों के पास अधिक दीर्घ और अधिक स्वस्थ जीवन जीने के ज्यादा अवसर हैं।

0 — 1

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रौढ़ साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुँच को प्रदर्शित करते हैं। पढ़ और लिख सकने वाले वयस्कों की संख्या और विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या दर्शाती है कि किसी देश विशेष में ज्ञान तक पहुँच कितनी आसान अथवा कठिन है।
- संसाधनों तक पहुँच को क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलरों में) के संदर्भ में मापा जाता है।

आय

① स्वास्थ्य → आयु प्रत्याशा
② शिक्षा (साक्षरता)
③ संसाधनों तक पहुँच (आय)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इनमें से प्रत्येक आयाम को 1/3 भारिता दी जाती है। मानव विकास सूचकांक इन सभी आयामों को दिए गए भारों का कुल योग होता है।

- मानव विकास सूचकांक मानव विकास में प्राप्तियों का मापन करता है। यह प्रदर्शित करता है कि मानव विकास के प्रमुख क्षेत्रों मे क्या उपलब्धि हुई है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव गरीबी सूचकांक

- मानव गरीबी सूचकांक मानव विकास सूचकांक संबंधित है यह सूचकांक मानव विकास में कमी मापता है। यह एक बिना आय वाला माप है।
- किसी प्रदेश के मानव विकास में कमी दर्शाने के लिए 40 वर्ष की आयु तक जीवित न रह पाने की संभाव्यता, प्रौढ़ निरक्षरता दर, स्वच्छ जल तक पहुँच न रखने वाले लोगों की संख्या और अल्पभार वाले छोटे बच्चों की संख्या, सभी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ

मानव विकास की अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ रुचिकर हैं। प्रदेश के आकार और प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। प्राय: मानव विकास में बड़े देशों की अपेक्षा छोटे देशों का कार्य बेहतर रहा है। इसी प्रकार मानव विकास में अपेक्षाकृत निर्धन राष्ट्रों का कोटि-क्रम धनी पड़ोसियों से ऊँचा रहा है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(0 - 1) अंक

मानव विकास का स्तर	मानव विकास सूचकांक का स्कोर	देशों की संख्या
अति उच्च	0.800 से ऊपर	66
उच्च	0.700 से 0.799 के बीच	53
मध्यम	0.550 से 0.699 के बीच	37
निम्न	0.549 से नीचे	33

Q I·m

0.800+
0.700 to 0.799
0.550 to 0.699

① अति उच्च	0.800 +	66
② उच्च	0.700 to 0.799	53
③ मध्यम	0.550 to 0.699	37
③ निम्न	0.549 से कम	33

66
53
37
33

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का उच्च स्तर

- इस समूह के देश शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं जो एक महत्वपूर्ण सरकारी प्राथमिकता है और साथ ही सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश करते हैं।

शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं

मानव विकास का मध्यम स्तर

- इनमें से कई देश पूर्व उपनिवेश थे और राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ उच्च सामाजिक विविधता का सामना कर रहे हैं।

(7) विकास व वृद्धि में कोई दो अन्तर बताइए

मानव विकास का निम्न स्तर

- ये देश राजनीतिक उथल पुथल, सामाजिक अस्थिरता, गृहयुद्ध, अकाल या बीमारियों की उच्च घटनाओं से गुजर रहे हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

mg